नईदुनिया

भोपाल, 12 जून 2026

आरबीआई ने 135 एनबीएफसी के लाइसेंस रद्द किए, सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल पर गिरी गाज

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नान-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों (एनबीएफसी) सेक्टर में बड़ी सफाई करते हुए एक बेहद सख्त कदम उठाया है। केंद्रीय बैंक ने देश भर की 135 एनबीएफसी कंपनियों के सर्टिफिकेट आफ रजिस्ट्रेशन (सीओआर) यानी पंजीकरण प्रमाण पत्र तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिए हैं। यह बड़ी कार्रवाई वित्तीय क्षेत्र में नियमों के पालन और नियामक निगरानी को मजबूत करने की दिशा में आरबीआई के कड़े रुख को दर्शाती है। आइए, एक बिजनेस जर्नलिस्ट के नजरिए से समझते हैं कि आरबीआई ने यह फैसला क्यों लिया है और इसका बाजार पर क्या असर होगा।

आरबीआई ने अचानक इतना बड़ा कदम क्यों उठाया - रिजर्व बैंक समय-समय पर वित्तीय संस्थानों के कामकाज की समीक्षा करता है। 10 जून 2026 को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में आरबीआई ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-(6) के तहत मिली शक्तियों का उपयोग करते हुए की गई है। नियमों का पालन न करने और नियामक आवश्यकताओं को पूरा करने में विफल रहने वाली संस्थाओं के खिलाफ यह कड़ा कदम उठाया गया है। यह केंद्रीय बैंक की गैर-बैंकिंग वित्तीय क्षेत्र (एनबीएफसी) पर निरंतर चलने वाली निगरानी प्रक्रिया का ही एक अहम हिस्सा है।

इस कार्रवाई का सबसे ज्यादा असर किस राज्य पर पड़ा है - आंकड़ों पर गौर करें तो इस कार्रवाई का सबसे बड़ा प्रभाव पश्चिम बंगाल, विशेषकर कोलकाता और उसके आसपास के इलाकों में संचालित कंपनियों पर पड़ा है। रद्द किए गए 135 लाइसेंसों में से बहुतायत संख्या यहीं की कंपनियों की है।

इस सूची में कोलकाता की कुछ प्रमुख कंपनियों के नाम इस प्रकार हैं:

- अक्षय फिस्कल सर्विसेज लिमिटेड
- अल्फा टाई-अप प्राइवेट लिमिटेड
- अरिहंत एंटरप्राइजेज लिमिटेड
- डेस्टिनी इंटरनेशनल लिमिटेड
- ईटीएल इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड

क्या बंगाल के अलावा अन्य राज्यों की कंपनियां भी रडार पर आईं - हां, आरबीआई की यह गाज केवल पश्चिम बंगाल तक सीमित नहीं है। देश के कई अन्य राज्यों की एनबीएफसी भी इस नियामक कार्रवाई की चपेट में आई हैं।

अन्य प्रभावित राज्यों और प्रमुख कंपनियों में शामिल हैं:

महाराष्ट्र: मुंबई स्थित एस्सेल फाइनेंस बिजनेस लोन्स लिमिटेड

तेलंगाना: हैदराबाद स्थित सिटीवाइड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड

तमिलनाडु: चेन्नई स्थित किरणग्लोबल बिजनेस इन्वेस्टमेंट लिमिटेड

इनके अलावा, दिल्ली, मणिपुर और मध्य प्रदेश की कुछ एनबीएफसी कंपनियों के लाइसेंस भी रद्द किए गए हैं।

जिन कंपनियों के लाइसेंस रद्द हुए, अब उनका क्या होगा - आरबीआई की अधिसूचना के मुताबिक, जिन कंपनियों के पंजीकरण प्रमाण पत्र रद्द किए गए हैं, वे अब किसी भी प्रकार का एनबीएफसी कारोबार नहीं कर सकेंगी। आरबीआई अधिनियम, 1934 की धारा 45- के खंड के तहत परिभाषित गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान के रूप में काम करने पर उन पर कानूनी रूप से पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

न्यूज ब्रीफ

भोपाल में वी ने शुरू की 5जी सेवा, यूजर्स को मिलेगा हाई-स्पीड इंटरनेट का अनुभव

भोपाल। इंदौर और ग्वालियर के बाद दूरसंचार सेवा प्रदाता वी (वोडाफोन आइडिया) ने भोपाल में भी 5जी सेवाओं की शुरुआत कर दी है। कंपनी ने बताया कि राज्य की राजधानी में डिजिटल उपभोक्ताओं, छात्रों और कारोबारों की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए यह विस्तार किया गया है। वी 5जी के जरिए उपभोक्ताओं को तेज डाउनलोड स्पीड के साथ हाई-डेफिनिशन स्ट्रीमिंग, गेमिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और रियल टाइम क्लाउड एक्सेस जैसी सुविधाएं मिलेंगी। बेहतर नेटवर्क अनुभव के लिए आधुनिक ऊर्जा दक्ष इंफ्रास्ट्रक्चर और एआई आधारित सेल्फ-ऑप्टिमाइजिंग नेटवर्क तैनात किया गया है।

कंपनी की मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ बिजनेस हेड कविता नाडकर्णी ने कहा कि वी राज्य के प्रमुख बाजारों में नेटवर्क विस्तार पर फोकस कर रहा है, ताकि अधिक डेटा उपयोग वाले क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को निर्बाध कनेक्टिविटी मिल सके।

लोकप्रिय 7-सीटर एमपीवी ग्रेवाइट की कीमत हुआ इजाफा

नई दिल्ली। निसान कंपनी की लोकप्रिय 7-सीटर एमपीवी ग्रेवाइट अब पहले से अधिक कीमत पर उपलब्ध होगी। इस वाहन की नई एक्स-शोरूम कीमतें 5.73 लाख रुपये से शुरू होकर 9.08 लाख रुपये तक पहुंच गई हैं। कंपनी ने फरवरी 2026 में इस वाहन को विशेष शुरुआती कीमतों के साथ लान्च किया था, लेकिन लान्च आफर समाप्त होने के बाद अब इसकी कीमतों में बढ़ोतरी कर दी गई है। कंपनी के अनुसार ग्रेवाइट के विभिन्न वेरिएंट्स की कीमतों में 8 हजार रुपये से लेकर 18 हजार रुपये तक का इजाफा हुआ है। एंट्री-लेवल विसिया मैनुअल वेरिएंट अब 5.73 लाख रुपये में मिलेगा, जबकि एन-कनेक्टा मैनुअल वेरिएंट की कीमत 18 हजार रुपये बढ़कर 7.38 लाख रुपये हो गई है। वहीं, टाप माडल लिमिटेड लान्च एडिशन एएमटी की कीमत बढ़कर 9.08 लाख रुपये पहुंच गई है, जो इसे इस श्रृंखला का सबसे महंगा वेरिएंट बनाती है। ग्रेवाइट अपने आकर्षक डिजाइन और आधुनिक फीचर्स के कारण ग्राहकों के बीच लोकप्रिय बनी हुई है। रेनाल्ट ट्राइबर के प्लेटफार्म पर तैयार इस एमपीवी में वी-मोशन ग्रिल, एलईडी डीआरएल के साथ स्टाइलिश हेडलैंप, मस्कुलर बंपर और विशेष ग्रेवाइट बैजिंग दी गई है। इसके इंटीरियर में 8 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 7 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और ड्यूल-टोन केबिन मिलता है। वाहन में वायरलेस फोन चार्जर, आटोमैटिक हेडलैंप, रेन-सेंसिंग वाइपर, एम्बिएंट लाइटिंग और एयर प्यूरीफायर जैसे फीचर्स भी दिए गए हैं।

समर्थ ई मोबिलिटी नए ईवी ब्रांड एवोर के साथ करेगी एंट्री

SAMARTH E-MOBILITY PVT. LTD.

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी समर्थ ई मोबिलिटी एक नए ईवी ब्रांड एवोर के साथ भारतीय बाजार में एंट्री करने की तैयारी में है। समर्थ ई मोबिलिटी की ओर से औपचारिक तौर पर इसकी घोषणा भी कर दी गई है। निर्माता ने जानकारी दी है कि वह भारतीय बाजार में एवोर नाम के ब्रांड के साथ इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल को लान्च करने की तैयारी कर रही है। नए ब्रांड एवोर की नई वेबसाइट भी लान्च कर दी गई है, जिसमें निर्माता की ओर से आने वाली मोटरसाइकिल की पहली झलक को दिखाया गया है। इस मोटरसाइकिल में कई आधुनिक और दमदार खासियतें शामिल होंगी। निर्माता की ओर से बताया गया है कि यह इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल 10.5 किलोवाट की क्षमता की मोटर के साथ आएगी, जिसे 5केडब्ल्यूएच क्षमता की बैटरी से पावर मिलेगी। यह बैटरी आईपी 67 रेटिंग के साथ आएगी, जो इसकी सुरक्षा और स्थायित्व सुनिश्चित करती है। तकनीकी फीचर्स की बात करें तो, इस मोटरसाइकिल में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के साथ ही डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, नेविगेशन सिस्टम और कई अन्य महत्वपूर्ण जानकारी को भी देखा जा सकेगा।

ऐप्पल ने की एआई आधारित कई नए फीचर्स की घोषणा

नई दिल्ली

दिग्गज टेक कंपनी ऐप्पल ने डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी 2026 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित कई नए फीचर्स और परफार्मेंस सुधारों की घोषणा की। ऐप्पल कंपनी ने प्रदर्शन को बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया है, जिसमें स्क्रीन रिस्पान्स, मोबाइल ऐप लान्चिंग स्पीड, फाइल ट्रांसफर, सर्च इंडेक्सिंग और वाई-फाई स्विचिंग जैसी कई चीजें शामिल हैं।

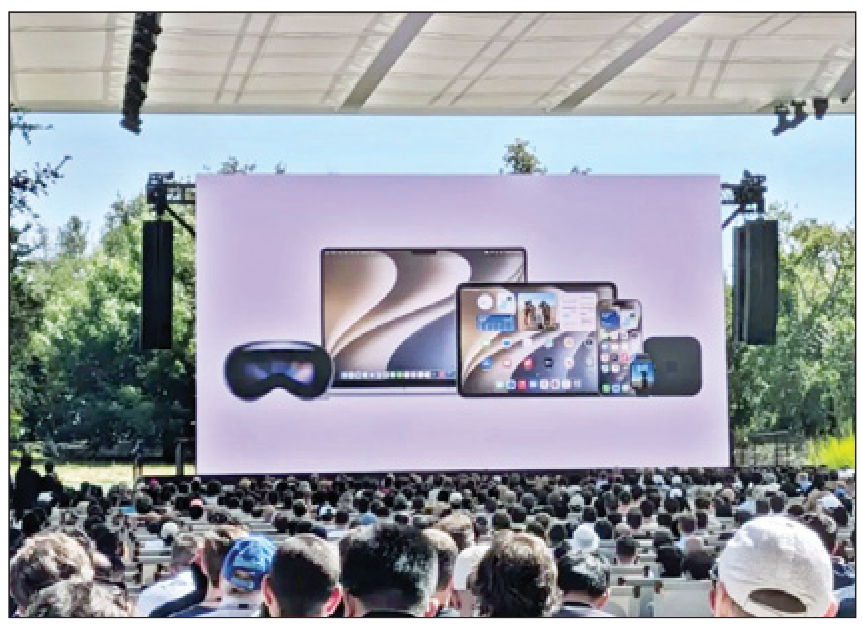

इस इवेंट में कंपनी ने नए आईओएस 27, वाच ओएस 27 और पैड ओएस 27 का भी अनावरण किया। अब ऐप्स पहले से ज्यादा तेजी से खुलेंगे और फाइल इंपोर्ट, कापी व ट्रांसफर की प्रक्रिया भी बेहतर होगी। ऐप्पल ने सीपीयू शेड्यूलर को भी आप्टिमाइज किया है, जो आईफोन 11 तक के माडल्स को सपोर्ट करेगा और एआई फीचर्स के लिए अहम भूमिका अदा करेगा। सफारी ब्राउज़र में अब एआई-आधारित नए फीचर्स दिए गए हैं। टैब विषय के आधार पर खुद ब खुद ग्रुप तैयार कर सकेंगे और संबंधित नए टैब्स भी उनसे जुड़ सकेंगे। वाइब एक्सटेंशन क्रिएशन फीचर से यूजर केवल एक्सटेंशन की डिटेल्स देंगे और सफारी एआई उसे तैयार कर देगा।

ऐप्पल पासवर्ड्स ऐप अब पासवर्ड्स को खुद ब खुद अपडेट भी कर सकेगा। मैकओएस 27 गोल्डन गेट में सिरी एआई के लिए एक डायनेमिक आइलैंड जैसा इंटरफेस दिया गया है, जिसे स्वाइप डाउन करके एक्सेस किया जा सकेगा। इमेज प्लेग्राउंड में अब नए स्टाइल और अधिक फोटोरियलिस्टिक इमेज जनरेशन शामिल है। विजुअल इंटेलिजेंस की काबिलियत बढ़ाई गई है, जिससे कैमरे या विजन प्रो के जरिए दिखाई देने वाली वस्तुओं के बारे में जानकारी और खरीदारी संबंधी सुझाव मिल सकेंगे। होम ऐप में एक ही एक्सेसरी से जुड़े कई नोटिफिकेशन को एक साथ दिखाया जाएगा, साथ ही रिकार्डेड वीडियो क्लिप्स को कंटेंट के आधार पर सर्च भी किया जा सकेगा।

फोटोज ऐप में यूजर्स इमेज बैकग्राउंड एक्सटेंड करने, अनचाहे आब्जेक्ट को हटाने और स्पेशल रीफ्रेमिंग से फोटो का व्यूइंग एंगल बदलने की सुविधा भी मिलेगी। डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी 2026 कीनोट की शुरुआत कंपनी के मौजूदा सीईओ टिम कुक ने की और इवेंट का समापन भी उनके विदाई भाषण के साथ हुआ। यदि सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो सितंबर में टिम कुक की जगह जान टर्नस सीईओ की भूमिका निभा सकते हैं।

ब्लैक मनी केस में अनिल अंबानी को हाईकोर्ट से राहत:इनकम टैक्स विभाग की दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाई, 420 करोड़ की टैक्स चोरी का आरोप था

नई दिल्ली। बाम्बे हाई कोर्ट ने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी के खिलाफ ब्लैक मनी एक्ट के तहत किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया है। आईटी विभाग ने अंबानी पर दो स्विस बैंक खातों में रखे 814 करोड़ रुपए से ज्यादा के अघोषित फंड पर 420 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी करने का आरोप लगाया है। जस्टिस बी पी कोलाबावाला और जस्टिस फिरदोष पूनीवाला की डिवीजन बेंच ने अंबानी की याचिका को अंतिम सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। कोर्ट ने कहा कि ब्लैक मनी एक्ट, 2015 के प्रावधानों को चुनौती देने वाली ऐसी ही अन्य याचिकाएं भी कोर्ट के सामने पेंडिंग हैं। इनकम टैक्स विभाग का आरोप है कि अनिल अंबानी ने जानबूझकर भारतीय टैक्स अधिकारियों से अपने विदेशी बैंक खातों और वित्तीय हितों की जानकारी छुपाई है। विभाग के असेसिंग आफिसर ने 31 मार्च 2022 को ब्लैक मनी एक्ट की धारा 10(3) के तहत एक असेसमेंट आर्डर पास किया था। इस आर्डर में कहा गया था कि अंबानी के पास अघोषित विदेशी संपत्तियां हैं। बहामास और ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स से जुड़ा है कनेक्शन आईटी विभाग के नोटिस के अनुसार, अनिल अंबानी बहामास स्थित डायमंड ट्रस्ट और ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स में रजिस्टर्ड कंपनी नार्दर्न अटलांटिक ट्रेडिंग अनलिमिटेड के इकोनामिक कंट्रीब्यूटर और बेनिफिशियल ओनर थे। विभाग ने इसे जानबूझकर की गई टैक्स चोरी का मामला बताया है। कोर्ट ने कहा- अपील जारी रहेगी, लेकिन एक्शन नहीं होगा हाई कोर्ट ने नोट किया कि अनिल अंबानी असेसमेंट आर्डर के खिलाफ पहले ही कमिश्नर आफ इनकम टैक्स (अपील) के सामने चुनौती दे चुके हैं। अदालत ने साफ किया कि वह अपील प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है और उस पर आदेश भी जारी हो सकते हैं। हालांकि, जब तक इस रिट याचिका पर सुनवाई और अंतिम फैसला नहीं हो जाता, तब तक याचिकाकर्ता के खिलाफ मुकदमा चलाने या जुर्माना लगाने जैसी कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

छोटी व किफायती कारों ने फिर ग्राहकों को किया आकर्षित

नई दिल्ली

भारतीय आटोमोबाइल बाजार में हैचबैक कारों ने एक मजबूत वापसी की है। मई 2026 के बिक्री आंकड़े बताते हैं कि एसयूवी की बढ़ती लोकप्रियता के बीच, छोटी और किफायती कारों ने एक बार फिर ग्राहकों को आकर्षित करना शुरू कर दिया है, जिसमें मारुति सुजुकी और टाटा मोटर्स ने इस सेगमेंट में शानदार ग्रोथ दर्ज की है। मारुति सुजुकी ने मई 2026 में अपनी एंट्री-लेवल कारों आल्टो और एस-प्रेसो की संयुक्त बिक्री में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की। पिछले साल मई 2025 में बेची गई 6,776 यूनिट्स के मुकाबले यह आंकड़ा बढ़कर 16,275 यूनिट्स पहुंच गया, यानी एक साल में बिक्री दोगुनी से भी ज्यादा हो गई। इसके साथ ही, मारुति की लोकप्रिय वैगनआर की 18,076 यूनिट्स, बलेनो की 18,396 यूनिट्स और स्विफ्ट की 17,519 यूनिट्स की बिक्री हुई, जो देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों में शामिल रहीं। सेलेरियो ने भी ग्राहकों को लगातार आकर्षित किया।

छोटी कारों की इस वापसी के पीछे सबसे बड़ी वजह लगातार बढ़ती कार कीमतें मानी जा रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में नए सुरक्षा नियम, ज्यादा फीचर्स और कच्चे माल की बढ़ती लागत के कारण लगभग सभी सेगमेंट की कारें महंगी हुई हैं। कई एसयूवी, जो कुछ साल पहले करीब 7.5 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध थीं, अब उनके समान वेरिएंट्स की कीमत 10 लाख रुपये से ऊपर पहुंच चुकी है। ऐसे में पहली बार कार खरीदने वाले ग्राहकों और सीमित बजट वाले परिवारों के लिए हैचबैक कारें आज भी सबसे आसान और किफायती विकल्प बनी हुई हैं।

टाटा मोटर्स ने भी इस सेगमेंट में अपनी पकड़ मजबूत की है। कंपनी ने पंच, नेक्सन, हैरियर और सिएरा जैसी एसयूवी के जरिए मजबूत पहचान बनाई है, लेकिन उसने हैचबैक सेगमेंट को नजरअंदाज नहीं किया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में टाटा के हैचबैक बिजनेस में 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। टाटा आल्ट्रोज प्रीमियम हैचबैक चाहने वाले ग्राहकों को पसंद आती है, जबकि टियागो कंपनी की सबसे किफायती कारों में से एक बनी हुई है। पेट्रोल के बेहतर माइलेज और सीएनजी आप्शन्स ने भी छोटी कारों की लोकप्रियता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। बढ़ते ईंधन मूल्यों के बीच ग्राहक ऐसी कारों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं जिनका रोज का खर्च कम हो।

क्रूड 95 डालर के पार, बढ़ सकती है महंगाई

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक तेल बाजार में भारी उथल-पुथल मचा दी है। ईरान द्वारा अमेरिकी हमलों के जवाब में स्ट्रेट आफ हार्मुज बंद करने की धमकी के बाद कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया है, जिससे ब्रेंट क्रूड 95 डालर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। यह एक दिन में लगभग 6 फीसदी की बढ़ोतरी है, जो ऊर्जा आपूर्ति में संभावित बाधाओं की आशंका को दर्शाती है। इस स्थिति से दुनिया भर में ऊर्जा सुरक्षा प्रभावित होने और भारत जैसे देशों में महंगाई बढ़ने का खतरा मंडरा रहा है। ईरान ने अमेरिकी हमलों के जवाब में दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग, स्ट्रेट आफ हार्मुज को बंद करने की चेतावनी दी है, जहां से वैश्विक तेल और गैस का लगभग 20 फीसदी निर्यात होता है। हालांकि अमेरिकी सेना कुछ वाणिज्यिक जहाजों के आवागमन का दावा कर रही है, पर इस क्षेत्र में समुद्री यातायात में भारी कमी आई है। इस तनाव के चलते ब्रेंट क्रूड की कीमत कल के 90 प्रति बैरल से बढ़कर 94.63 डालर प्रति बैरल और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 91.73 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। उधर, अमेरिका के तेल भंडार में भी भारी कमी देखी गई है, पिछले हफ्ते 7.2 मिलियन बैरल और युद्ध शुरू होने के बाद से कुल 79 मिलियन बैरल की गिरावट आई है।

सर्राफा बाजार में बड़ी गिरावट, सोना और चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान जबरदस्त गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई कमजोरी के कारण चेन्नई के अलावा देश के दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 3,970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 4,320 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 4,020 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 4,380 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट आ गई है।

भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,48,850 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,50,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,36,440 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,37,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी बड़ी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,49,000 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,48,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,48,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,50,540 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,37,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,48,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,48,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,36,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,49,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,48,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,36,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,49,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,36,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव की वजह से दुनिया भर के शेयर बाजार पर दबाव बना हुआ है। इसके साथ ही पिछले सत्र के दौरान चिपमेकर कंपनियों के शेयर में आई गिरावट की वजह से भी अमेरिकी बाजार पर दबाव की स्थिति बनी रही। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 953.33 अंक यानी 1.87 प्रतिशत गिरकर 49,918.78 अंक के स्तर पर बंद आ गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 119.66 अंक यानी 1.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,266.99 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 509.32 अंक यानी 1.98 प्रतिशत टूट कर 25,169.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 127.12 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ 50,045.90 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की तेजी के साथ 10,254.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.51 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,161.83 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 237.75 अंक यानी 0.98 प्रतिशत लुढ़क कर 24,195.31 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की मजबूती के साथ 64,225 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,964.65 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,744.93 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.76 प्रतिशत की उछाल के साथ 1,575.47 अंक के स्तर पर पहुंचे हुए हैं। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,122 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.83 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,853.21 अंक के स्तर पर आ गया है। ताइवान वेटेड इंडेक्स फिलहाल 507.09 अंक यानी 1.17 प्रतिशत लुढ़क कर 42,718.45 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। वहीं हैंग सेंग इंडेक्स 281.96 अंक यानी 1.16 प्रतिशत फिसल कर 24,126 अंक के स्तर पर आ गया है।